प्रोफेसर ने पुनर्वास विवि का किया दौरा

लखनऊ। ऑस्ट्रेलिया के मोनाश विवि सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. मोहन येलिशेट्टी ने बृहस्पतिवार को डॉ. शकुंलता मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि का दौरा किया। उन्होंने कुलपति प्रो. संजय सिंह से वार्ता के दौरान शोध एवं विकास के क्षेत्र में सहयोग एवं शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम (एकेडमिक एक्सचेंज प्रोग्राम) पर परिचर्चा की। प्रवक्ता प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया इस वार्ता में अकादमिक, शोध, सॉफ्टवेयर विकास, कौशल संवर्द्धन कार्यक्रम, डेटा विश्लेषण, इनोवेटिव एआई, मशीन लर्निंग एवं ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन पर जोर दिया गया। (संवाद)

नवाचार व शोध में आस्ट्रेलियाई विवि का सहयोग लेगा पुनर्वास विश्वविद्यालय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय और ऑस्ट्रेलिया के मोनाश यूनिवर्सिटी मिलकर शोध और नवाचार के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के मोनाश यूनिवर्सिटी सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर मोहन येलिशेट्टी ने पुनर्वास विश्वविद्यालय का दौरा किया।

पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में मोनाश यूनिवर्सिटी और पुनर्वास विश्वविद्यालय के बीच शोध व विकास के क्षेत्र में सहयोग हेतु विचार विमर्श किया गया। मोनाश यूनिवर्सिटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर मोहन येलिशेट्टी द्वारा अकादमिक सहयोग, शोध सहयोग, सॉफ्टवेयर विकास, कौशल संवर्द्धन कार्यक्रम, डेटा विश्लेषण, इनोवेटिव आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग व ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन आदि के बारे में कुलपति से बातचीत किया। दिव्यांगजनों की जरूरतों के अनुकूल लघु अवधि के तकनीकी कौशल संवर्धन कार्यक्रम या कार्यशालाएं आयोजित करने, दिव्यांगों के अनुकूल माहौल बनाने के लिए इंटर्नशिप के आयोजन पर विचार विनिमय हुआ। अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. वीके सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह, कुलानुशासक प्रो. सीके दीक्षित, प्रो. अश्वनी कुमार दुबे, प्रो. अवनीश चंद्र मिश्रा, प्रो. पाण्डेय राजीवनयन आदि उपस्थित रहे।

मोनाश यूनिवर्सिटी आस्ट्रेलिया के प्रोफेसर ने किया शकुन्तला मिश्रा विवि का भ्रमण

लखनऊ (एसएनबी)। मोनाश यूनिवर्सिटी आस्ट्रेलिया के सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर मोहन येलिशेट्टी ने गुरुवार को मोहान रोड स्थित डा. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि का भ्रमण किया। इस दौरान मोनाश यूनिवर्सिटी व

दोनों विश्वविद्यालयों के बीच कई समझौते पर हस्ताक्षर

शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विवि के बीच शोध एवं विकास क्षेत्र में आगामी सहयोग एवं शैक्षिणिक विनिमय कार्यक्रम (एकेडमिक एक्सचेंज प्रोग्राम) के संवाद सत्र का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मोनाश यूनिवर्सिटी आस्ट्रेलिया के प्रो. मोहन येलिशेट्टी द्वारा अकादमी सहयोग शोध सहयोग, साफ्ट वेयर, विकास, कौशल संवर्धन कार्यक्रम, डेटा विश्लेषण, इनोवेटिव आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग एवं आनलाइन कक्षाओं के संचालन व ज्ञान विज्ञान के प्रमुख क्षेत्रों में मोनाश यूनिवर्सिटी और पुनर्वास विवि के बीच आगामी सहयोग के लि विचार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आनलाइन डिजिटल संसाधनो तक पहुंच बनाने और यूनिवर्सिटी आस्ट्रेलिया के संसाधनों को पुर्नवास विवि के शोधार्थी और शिक्षक तक पहुंचाने के लिए शिक्षण प्लेटफार्म एक्सचेंज की सुविधा पर विचार किया गया। इस अवसर पर विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह, अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. वीके सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह, कुलानुशासक प्रो. सीके दीक्षित, प्रो. अश्वनी कुमार दुबे, प्रो. अवनीश चन्द्र मिश्रा, प्रो. पांडेय राजीव नयन, प्रो. आरके श्रीवास्तव, प्रो. वीरेन्द्र सिंह यादव, प्रो. यशवंत वीरोदय,डा. कविता त्यागी, डा. पुष्पेन्द्र सिंह आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।

परीक्षा से भयभीत न हों छात्र : प्रो. सत्पथी

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में पराक्रम दिवस मना

लखनऊ। अलीगंज स्थित पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर 'पराक्रम दिवस' मनाया गया। इस दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें कई स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार सत्पथी ने कहा कि परीक्षा से कभी भी छात्रों को भयभीत नहीं होना चाहिए क्योंकि जीवन में प्रति क्षण परीक्षा होती रहती है। भय उन्नति का बाधक बन कर सफलता से दूर कर देता है। सबसे बड़ी परीक्षा आत्म परीक्षा है। विद्यार्थी स्वयं अपनी कमियों को अधिक जानता है। अतः स्वयं अपनी कमियों को दूर कर आत्म मूल्यांकन करना चाहिए। भारत केवल एक भूखंड नही है इसकी ज्ञान परंपरा बहुत प्राचीन एवं विकसित भी है। इस पवित्र भूमि की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण की आहुति देने वालों में नेताजी सुभाष बोस के पराक्रम को कोई भुला नही सकता। विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार तिवारी सहित अन्य लोगों ने नेताजी सुभाष बोस की प्रतिमा पर माल्यर्पण किया।

राएं। कराया तो डाक्टर ने बताया कि – रश्मि, बाराबंकी सबसे सही समय 9-14 वर्ष है, में बीमारी का इतिहास है तो

विद्यार्थी आस्ट्रेलिया के साथ मिलकर करेंगे शोध

जागरण संवाददाता • लखनऊ : डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के विद्यार्थी आस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय के साथ मिलकर शैक्षणिक आदान-प्रदान के साथ शोध करेंगे।

डा.शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता गुरुवार को हुई बैठक में आस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. मोहन येलिशेट्टी के साथ हुए समझौते में शोध एवं विकास के क्षेत्र में आगामी सहयोग एवं शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम (एकेडमिक एक्सचेंज प्रोग्राम) को लेकर मंथन किया गया। प्रो.मोहन येलिशेट्टी ने अकादमिक सहयोग, शोध सहयोग, साफ्टवेयर विकास, कौशल संवर्द्धन कार्यक्रम, डेटा विश्लेषण, इनोवेटिव

कुलपति आचार्य संजय सिंह के साथ समझौता बैठक में मौजूद आस्ट्रेलिया के मोनाश विवि से आए प्रो. मोहन येलीशेट्टी साथ में कुलसचिव रोहित सिंह • विश्वविद्यालय

आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग एवं आनलाइन कक्षाओं के संचालन के साथ ही ज्ञान विज्ञान के क्षेत्रों में सहयोग करने की वकालत की। आस्ट्रेलिया में स्थापित इंडियन डायस्पोरा एकेडमिक के साथ आनलाइन कक्षाएं भी संचालित होंगी। इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान, फार्मेसी, प्रोस्थेटिक्स और आर्थोटिक्स संकायों के कौशल संवर्धन के लिए डिजाइन व उत्पादों के विकास पर दोनों विश्वविद्यालय विचार-विमर्श करेंगे। लघु अवधि के तकनीकी कौशल संवर्धन कार्यक्रम आयोजित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। दिव्यांगों के अनुकूल माहौल बनाने के लिए इंटर्नशिप भी होगी। उन्होंने परिसर में क्रत्रिम निर्माण इकाई समेत दृष्टिवाधितों के लिए बनाए गए उपकरणों को भी देखा। कुलपति आचार्य संजय सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व शिक्षकों के लिए यह समझौता लाभप्रद होगा। इस अवसर पर अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. वीके सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह, कुलानुशासक प्रो. सीके दीक्षित, प्रो. अश्वनी कुमार दुबे, प्रो. अवनीश चंद्र, प्रो.यशवंत वीरोदय, प्रो. आरके श्रीवास्तव, प्रो. वीरेंद्र सिंह यादव, डा. कविता त्यागी, डा. पुष्पेंद्र सिंह मौजूद थे।

दोनों के बीच इस पर हुआ समझौता : इनोवेटिव आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस सिस्टम पर आधारित शोध कर दिव्यांगजनों को बेहतर तकनीक पर आधारित सुविधा प्रदान करना। दोनों विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थियों का आदान-प्रदान करना, जिससे बेहतर तकनीक सीखी जा सके। संयुक्त कार्यशाला सेमिनार और शार्ट टर्म एकेडमिक प्रोग्राम शुरू करना है।